**राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान**

**उच्चतर माध्यमिक**

**कार्यपत्रक-11**

## पाठ-12 अशुद्धियाँ एवं उनका संशोधन

1. एक उदाहरण की मदद से लेखांकन में लेखांकन अशुद्धियों की अवधारणा को समझाइए।

2. श्री इशान खाता बही में विभिन्न लेनदेन लिखने की सटीकता की जांच करना चाहते हैं। वह अपनी पुस्तकों में मौजूद किसी भी अशुद्धि का पता लगाना चाहता है। अशुद्धियों का पता लगाने के लिए उन्हें क्या प्रक्रिया अपनानी चाहिए?

3. खाता बही पर उनके प्रभाव के आधार पर लेखांकन अशुद्धियों के वर्गीकरण पर चर्चा कीजिये ।

4. श्री दीपक ने पुस्तकों में लेन-देन दर्ज करते समय अशुद्धियाँ कीं। एक उदाहरण की मदद से उन्हें लेख अशुद्धि की विभिन्न प्रकार की अशुद्धि के बारे में बताइए ।

5. एक उदाहरण की मदद से लेखांकन में क्षतिपूरक अशुद्धियों की व्याख्या कीजिये ।

6. जैसा कि हम जानते हैं कि आय और व्यय की वस्तुएं पूंजी और राजस्व अशुद्धियों में विभाजित हैं। इसके संदर्भ में, उपयुक्त उदाहरणों के साथ सैद्धांतिक अशुद्धि का अर्थ स्पष्ट कीजिये ।

7. तलपट तैयार करने से पहले लेखांकन अशुद्धियों को सुधारने के लिए अलग-अलग क्या तरीके हैं?

8. नीचे कुछ लेखांकन अशुद्धियाँ दी गई है। रोजनामचा प्रविष्टि कर इनका शोधन कीजिये:

(i) कृष्ण को रु 50, 000 की बिक्री की गई जिसे विक्रय बही में लिखा नहीं गया ।
(ii) लेखाकार लकी को रु 8,500 वेतन के भुगतान किये जिसे उसके व्यक्तिगत खाते के नाम में लिख दिया गया।
(iii) रु 3,800 में पुराना फर्नीचर बेचा जिसे विक्रय बही में लिख दिया गया।
(iv) मशीन के क्रय करने पर रु 600 ढुलाई पर व्यय किए जिसे ढुलाई खाते के नाम में लिख दिया गया।
(v) साहिल कुमार लेनदार को रु 80,000 का भुगतान किया लेकिन रोहन कुमार के नाम में लिख दिया गया।

9. शोधन के लिए एक उचंत खता खोलने की आवश्यकता क्यों है। यह भी बताइए कि उचंत खता के माध्यम से अशुद्धियों को कैसे ठीक किया जाता है?

10. नीचे दी गई लेखांकन अशुद्धियों का शोधन उचंत खाते के माध्यम से रोजनामचा प्रविष्टियों द्वारा कीजिये।

(i) नितिन से रु 5,500 का माल क्रय किया जिसकी विक्रय बही में प्रविष्टि की गई जबकि नितिन के खाते के जमा में ठीक लिखा गया।

(ii) अनामिका देनदार से रु 5,600 प्राप्त हुए जिनकी रोकड़ बही में ठीक प्रविष्टि कर दी गई लेकिन उसके खाते में खतौनी से रह गई।

(iii) विक्रय बही का योग रु 1,700 से अधिक लगाया गया।

(iv) क्रय वापसी बही के रु 4,250 के योग को आगे रु 2,540 ले जाया गया।

(v)गीता को रु 7,600 का नकद भुगतान किया लेकिन रु 6,200 सीता के नाम में लिखे गए।